



अखिल भारतीय वैष्णव (च.स.) विकास परिषद एवं ट्रस्ट, मुंबई  
द्वारा आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय महाअधिवेशन एवं  
अखिल भारतीय वैष्णव धर्मशाला हरिद्वार का  
भव्य उद्घाटन समारोह शुक्रवार, शनिवार व रविवार  
दिनांक २७, २८ एवं २९ दिसम्बर २०१३ को सम्पन्न



हरिद्वार। अखिल भारतीय वैष्णव (च.स.) विकास परिषद एवं ट्रस्ट मुंबई का तीन दिवसीय, द्वितीय राष्ट्रीय महाअधिवेशन दिनांक २७, २८, २९ दिसम्बर २०१३ को सम्पन्न हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन शिरोमणी अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी श्री रामनरेशाचार्यजी महाराज श्रीमठ पंचगंगा काशी के कर कमलों से किया गया। सम्मेलन में देश के कोने कोने से समाज के प्रतिनिधिगण, प्रदेश, जिला, तहसील पदाधिकारीगण एवं परिवार, महिला समिति के राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

दिनांक २७ को दोपहर से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष परिषद श्री जयंतिभाई वैष्णव, राष्ट्रीय अध्यक्ष ट्रस्ट श्री रामचन्द्रजी वैष्णव, राष्ट्रीय महासचिव परिषद श्री लखनदासजी वैष्णव, ट्रस्ट राष्ट्रीय महासचिव श्री एन.डी. निम्बावत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परिषद श्री रामकिशनजी शर्मा जयपुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परिषद श्री भगवानदासजी वैष्णव उदयपुर एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गजेन्द्रजी शर्मा मथुरा, उपाध्यक्ष श्री इन्द्रजीतजी वैष्णव मुंबई, सचिव ट्रस्ट श्री भानुशंकरजी वैष्णव मुंबई आदि उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथिगण में श्री मनोहर गर्ग-हरिद्वार नगर पालिका अध्यक्ष, प्रो. मदनमोहनजी वैष्णव-अहमदाबाद, डॉ. के.जी. वैष्णव-मांडवी, श्री कृष्णकुमारजी बाबा-लुधियाना उपस्थित थे।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि शिरोमणी श्री रामनरेशाचार्यजी महाराज का पुष्पाहार से स्वागत श्री जयंतिभाई, श्री रामचन्द्रजी, श्री लखनदासजी, श्री एन.डी. निम्बावत ने किया तथा विशिष्ट अतिथियों का भी पुष्पाहार से स्वागत किया गया। २७ दिसम्बर २०१३ के प्रथम सत्र में कार्यक्रम का संचालन करते हुए राष्ट्रीय महासचिव लखनदासजी वैष्णव ने कहा कि, अखिल भारतीय वैष्णव (च.स.) विकास परिषद ने देश के सभी क्षेत्रों से आये पदाधिकारियों, महिला पदाधिकारियों, युवा समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इतने कड़के की ठण्ड तथा शीत लहर में भी इतनी बड़ी संख्या में आप सभी लोग विकास परिषद के महाअधिवेशन को सफल बनाने पधारे हैं, इतनी बड़ी उपस्थिति संगठन की मजबूती के कारण संभव हो सकी है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, उत्तरांचल, हैदराबाद तथा दक्षिण भारत में विकास परिषद की संगठन जिला / तहसील ईकाईयां गठित करने में सफल रहे जिसके कारण हमारे कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में पधारे हैं। श्री ओमप्रकाश वैष्णव आगरा ने कहा कि, आगरा में संगठन की ज्योत जलाने वाले विकास परिषद के राष्ट्रीय महासचिव एवं उनकी टीम है। श्री हरचरण शर्मा आगरा ने विकास परिषद के द्वारा समाज हित में किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की है। डॉ. वैष्णव कर्वधा वाले ने कहा कि, संगठन को मजबूत करने महासचिव लखनदासजी सन् १९७१ से तन, मन, धन से सेवारत है, उन्होंने छत्तीसगढ़ वैष्णव महासभा को मजबूत करने में जो योगदान दिया है उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। श्री हरिश वैष्णव-मुंबई ने कहा कि, विकास परिषद द्वारा समाजहित में अनेकों अच्छी योजना बना कर सहयोग करना जिनमें आंखों की निःशुल्क जांच व निःशुल्क चश्मा वितरण, विधवा महिलाओं को सिलाई मशीने वितरित किया जाना, छात्रावासों के निर्माण में योगदान, मेघावी छात्रों तथा विमार लोगों को आर्थिक सहयोग आदि प्रशंसनीय कार्य है। राष्ट्रीय महासचिव के द्वारा संगठन के लिये किये जा रहे कार्य अत्यधिक सराहनीय है। हरिशजी ने कहा कि, लखनदासजी को अपने हाथ से 'वैष्णव गौरव' पत्रिका के लिफाफों में स्टीकर तथा टिकट लगाते देखा है। श्री धर्मेन्द्र शर्मा, अधिवक्ता श्योपुर ने कहा कि,

हम युवाओं को आगे बढ़ाने में श्री जयंतिभाई तथा श्री लखनदासजी का विशेष योगदान है, हम देश के सभी युवा इन दोनों पदाधिकारी के आभारी हैं। श्री श्यामजी वैष्णव जिला अध्यक्ष मन्दासौर तथा श्री संतोषदास बैरागी रतलाम, डॉ. गोविन्द शर्मा अध्यक्ष ग्वालियर चम्बल संभाग, श्री रामचन्द्र बैरागी अध्यक्ष झालावाड़ ने भी संगठन की मजबूती पर अपने विचार व्यक्त किये। रात्रि में बन्दीसागर वैष्णव एन्ड पार्टी-खण्डार सवाईमाधोपुर ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति ने सभी उपस्थित लोगों ने सराहा और 'वन्स मोर' के नारे लगाते रहे।

दिनांक २८ दिसम्बर २०१३ को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिरोमणी आचार्य श्री रामनरेशाचार्यजी को श्री जयंतिभाई राष्ट्रीय अध्यक्ष परिषद तथा श्री रामचन्द्रजी वैष्णव राष्ट्रीय अध्यक्ष ट्रस्ट ने स्वागत के साथ मंचासीन किया। राष्ट्रीय महासचिव परिषद श्री लखनदासजी वैष्णव, राष्ट्रीय महासचिव ट्रस्ट श्री एन.डी. निम्बावत तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामकिशनजी शर्मा, श्री भगवानदासजी वैष्णव एवं श्री गजेन्द्रजी शर्मा ने मुख्य अतिथि का पुष्पाहार से स्वागत किया। विशेष अतिथि श्री मनोहरजी गर्ग को शाल, श्रीफल तथा प्रशस्ति मेमोन्टो देकर सम्मानित किया गया। श्री गर्गजी जो कि हरिद्वार नगर पालिका के अध्यक्ष हैं, उन्होंने वैष्णव समाज द्वारा हरिद्वार में धर्मशाला बनाये जाने की सराहना की तथा हर संभव सहयोग करते रहने का आश्वासन दिया। श्री कृष्णकुमारजी बाबा लुधियाना ने कहा कि, श्री जयंतिभाई और श्री रामचन्द्रजी ने कम समय में पुष्कर धर्मशाला तथा हरिद्वार धर्मशाला का निर्माण कराया, यह वैष्णव समाज की प्रगति एकजुटता के लिए शुभ संकेत है। प्रो. मदनमोहनजी वैष्णव अहमदाबाद ने अखिल भारतीय वैष्णव विकास परिषद एवं ट्रस्ट मुंबई के रचनात्मक कार्यों की सराहना की तथा श्री रामचन्द्रजी, श्री जयंतिभाई, श्री लखनदासजी को दीर्घायु रखने की ईश्वर से प्रार्थना की। डॉ. के.जी. वैष्णव अध्यक्ष कमलादेवी मन्दिर निर्माण समिति ने कच्छ में कमलादेवी मन्दिर के जिर्णोद्धार हेतु श्री रामचन्द्रजी द्वारा सहयोग करने का आश्वासन से मन्दिर के जिर्णोद्धार में सफलता मिलने का भरोसा पाय तथा उन्होंने कमला माता मन्दिर को वैष्णव परिवार की कुलदेवी होने पर गौरव महसूस किया। देश के सभी लोगों को आगे आकर कुलदेवी की सेवा में सहयोग करने की अपील की। सभी विशिष्ठ अतिथिगणों को शाल, श्रीफल तथा प्रशस्तिपत्र (मेमोन्टो) से सम्मानित किया गया।

श्री अनन्त विभूषित जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामनरेशाचार्यजी महाराज के द्वारा संस्थागत ट्रस्टीयों को सम्मानित किया गया। भवन निर्माण में योगदान देने हेतु श्रीमती घीसीबाई जेतुदास वैष्णव परिवार-श्री रामचन्द्रजी वैष्णव तथा श्री लक्ष्मणदासजी वैष्णव परिवार को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। आप मुख्य संस्थापक संरक्षक ट्रस्टी हैं। इसी तरह मुख्य संस्थापक संरक्षक ट्रस्टी श्रीमती जरावबाई भगवानदासजी वैष्णव परिवार- डॉ. शंकर वैष्णव, जगदीश वैष्णव, जयंतिभाई वैष्णव, रमेश वैष्णव, यशोदा वैष्णव को मुख्य अतिथि शिरोमणी श्री रामनरेशाचार्यजी ने प्रशस्तिपत्र, शाल देकर सम्मानित किया।

मुख्य संस्थापक संरक्षक ट्रस्टी श्री इन्द्रजीतजी भुरदासजी वैष्णव मुंबई, श्री कृष्णावतारजी शर्मा जयपुर, श्री केसुदासजी ऊंकारदासजी वैष्णव मुंबई, श्री महेन्द्रकुमारजी जसराजजी वैष्णव टुमकुर को भी सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा किया गया।

संस्थापक संरक्षक ट्रस्टीयों में श्री राधाकिशनजी रामरतनजी वैष्णव मुंबई, श्री रामचन्द्रजी वैष्णव मेड़ता, श्री विष्णुदासजी ठाकुरदासजी अशावत मदुराई, श्री पं. गजेन्द्रजी शर्मा (वैष्णव) मथुरा, श्री नन्दकिशोरजी दलारामजी वैष्णव मुंबई, स्व. सरस्वतीदेवी गिरधारीदासजी वैष्णव (रामेश्वरजी) मुंबई, श्री देविदासजी मोहनदासजी रामावत मुंबई, डॉ. श्री चन्द्रकुमारजी देवमुरारी ब्यावर, श्री ओमप्रकाशजी वैष्णव (गोविन्दसा) जोधपुर, श्रीमती शकुन्तलादेवी सत्यनारायणजी रामावत श्रीकोलायत, श्री जीवनदासजी, शान्तिलालजी पिता गणेशदासजी वैष्णव फालना को भी प्रशस्तिपत्र, शाल से सम्मानित किया गया।

मुख्य संरक्षक ट्रस्टीयो में श्रीमती कमलादेवी लखनदासजी वैष्णव रायपुर, श्रीमती जडाव श्रीराम निम्बावत वैष्णव परमार्थ ट्रस्ट (एन.डी. निम्बावत) जोधपुर, श्री भगवानदासजी वैष्णव उदयपुर, श्री ब्रह्मपालजी वैष्णव हरिद्वार को भी प्रशस्तिपत्र, शाल से सम्मानित किया गया।

संस्थापक ट्रस्टीयों में श्री ओमप्रकाशजी संतोकादासजी वैष्णव रोहिड़ा, श्री एन. भवरदासजी नवलदासजी वैष्णव चेन्नई, श्री भंवरलालजी मांगीलालजी वैष्णव पुना, श्री भरतदासजी मंगलदासजी वैष्णव न्यू मुंबई, श्री जगदीशचन्द्रजी

गंगादासजी वैष्णव चेन्नई, श्री सुरेशकुमारजी भेरूदासजी वैष्णव मुंबई, श्री रामनिवासजी डी. वैष्णव अजमेर, श्री सत्यनारायणजी बंकटलालजी रामावत पुष्कर, श्री कल्याणदासजी मोहनदासजी वैष्णव मुंबई, श्री चम्पालालजी, कन्हैयालालजी, ओमप्रकाशजी पिता पोकरदासजी वैष्णव गांधीधाम, श्री मदनलालजी, मोतीलालजी पिता भंवरदासजी वैष्णव जोधपुर, श्री जेतुदासजी शिवराजदासजी वैष्णव नुरियावास पीसांगन, श्री विजयदासजी मिश्रीदासजी शर्मा मुंबई, श्री नरपतजी मोतीरामजी वैष्णव अहमदाबाद, श्री रतनदासजी शंकरदासजी वैष्णव बैंगलोर, श्री १००८ महन्त श्री जगदीशदासजी वैष्णव देवरीयाली, श्री गोपालदासजी वैष्णव कादेड़ा, श्री कमलेशजी कन्हैयालालजी वैष्णव मुंबई, श्री नारायणदासजी जयरामजी वैष्णव मुंबई, श्री अमृतरामजी रामस्वरूपजी वैष्णव विकोटा, श्री ओमप्रकाशजी, लालचंदजी पिता नारायणदासजी वैष्णव बैंगलोर, श्री भरतदासजी मानदासजी वैष्णव सिरोही, श्री अशोककुमार गोपालदासजी वैष्णव पाली, श्री रामदासजी लक्ष्मीनारायणजी वैष्णव जोधपुर को प्रशस्तिपत्र, शाल से सम्मानित किया गया।

आजीवन ट्रस्टियों में श्री भानुशंकरजी नारायणदासजी वैष्णव मुंबई, श्री देवकिशनजी प्रभुदासजी वैष्णव मुंबई, श्री बाबुलालजी नारायणदासजी अग्गावत सांवतसर, श्री संजय स्व. श्यामसुंदरजी लक्ष्मीनारायणजी अग्गावत सांवतसर, श्री रविदासजी रतनदासजी वैष्णव मुंबई, श्री रूपदासजी रतनदासजी वैष्णव मुंबई, श्री चुन्नीलालजी जगनदासजी वैष्णव मुंबई, श्री अनिलजी श्यामजी रामावत मुंबई, श्री किशोरदासजी मोहनदासजी वैष्णव मुंबई, श्री ग्वालियर समाज (दामोदरजी शर्मा) ग्वालियर, श्री रामकिशनजी शर्मा जयपुर, श्री प्रेमदासजी रतनदासजी शोभावत व्यावर, श्री पुरुषोत्तमदासजी केसुदासजी वैष्णव मुंबई, श्री अशोककुमारजी मूलदासजी वैष्णव मुंबई, श्री कानदासजी घेवरदासजी वैष्णव मुंबई, श्री कपुरदासजी सोहनदासजी रामावत मुंबई, श्रीमती छगनीदेवी स्व. ढगलदासजी वैष्णव दादीया, श्रीमती चम्पादेवी स्व. देवदासजी वैष्णव कंटालीया, श्री बट्टीदासजी हंसरामजी वैष्णव मुंबई, श्री टीकमचन्दजी शर्मा अलवर, श्री गोविन्ददासजी देवीदासजी वैष्णव मुंबई, श्री कान्तीलालजी नेनुरामजी वैष्णव मुंबई, श्री सुन्दरदासजी गुलाबदासजी वैष्णव लोरडी, श्री शिवप्रकाशजी लालदासजी वैष्णव जोधपुर, श्री गौतमदासजी भगवानदासजी हरिव्यासी जोधपुर, श्री श्रीकिशनजी गुलाबदासजी निम्बावत फलीदी, श्रीमती कमलाजी नथमलजी रामावत श्रीकोलायत, श्री गणपतलालजी जमनालालजी स्वामी जोधपुर, डॉ. धनदासजी गोपालदासजी वैष्णव जोधपुर, श्री मनोहरदासजी मेवादासजी कुबावत खुटानी, श्री सुनिलजी हिम्मतदासजी वैष्णव जोधपुर, श्री लक्ष्मीनारायणजी रामेश्वरलालजी वैष्णव जोधपुर, श्री गजेन्द्रप्रसादजी पोकरदासजी तत्ववेदी जोधपुर, श्री भीमदासजी वैष्णव सुरत, श्री महन्त श्री मगनीरामजी तत्ववेदी जैतारण, श्री पुनमदासजी अमरदासजी वैष्णव जोधपुर, श्रीमती अमरीदेवी गजेन्द्रकुमारजी वैष्णव जोधपुर, श्री राजेशजी कन्हैयालालजी वैष्णव जोधपुर, श्री हरिशजी हेमदासजी वैष्णव मुंबई तथा सहयोगकर्ताओं को प्रशस्तिपत्र तथा शाल से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन को सफल बनाने में आर्थिक सहयोग देने वाले सहयोगीगण-महाप्रसादी हेतु सर्व श्री भगवानदासजी गोविन्दरामजी वैष्णव परिवार-सेवाड़ी, मुंबई (डॉ. शंकर वैष्णव, जगदीश वैष्णव, जयंतिभाई वैष्णव, रमेश वैष्णव, यशोदा वैष्णव), श्री रामचन्द्रजी जेतुदासजी वैष्णव कराड़ी (मुंबई), श्री लक्ष्मणदासजी जेतुदासजी वैष्णव कराड़ी (मुंबई), श्री इन्द्रजीतजी भुरदासजी वैष्णव चुली शिवगंज (मुंबई), श्री विष्णुदासजी ठाकुरदासजी अग्गावत धुमडीया (मदुराई), श्री केसुदासजी ऊंकारदासजी वैष्णव कराड़ी (मुंबई), श्री पं. गजेन्द्रजी शर्मा (वैष्णव) मथुरा, श्री पुष्कर स्थानीय कार्यकारिणी (पुष्कर), श्री महेन्द्रकुमारजी जसराजजी वैष्णव जैतारण (टुमकुर), श्री रतनदासजी शंकरदासजी वैष्णव बावरी (बैंगलोर), श्री कृष्णावतारजी शर्मा जयपुर को प्रशस्तिपत्र तथा शाल देकर सम्मानित किया गया।

अमृत भोग हेतु सहयोगकर्ता-डॉ. चन्द्रकुमारजी देवमुरारी व्यावर (अजमेर), श्री भगवानदासजी वैष्णव उदयपुर को प्रशस्तिपत्र तथा शाल देकर सम्मानित किया गया।

राज भोग हेतु सहयोगकर्ता-श्रीमती कमला लखनदासजी वैष्णव रायपुर, श्री चम्पालालजी, कन्हैयालालजी, ओमप्रकाशजी पिता पोकरदासजी वैष्णव कराड़ी (गांधीधाम), श्री मांगीलालजी नरसिंगदासजी वैष्णव रामपुरकला (दिल्ली), श्री एन.डी. निम्बावत (श्रीमती जडावदेवी श्रीराम निम्बावत वैष्णव परमार्थ ट्रस्ट जोधपुर), श्री भगवानदासजी वैष्णव (योगानन्दी) रामेश्वर नगर जोधपुर, श्रीमती इन्द्रा महावीरजी शर्मा कोटा एवं श्री श्यामसुन्दरजी हरियानन्दी हरिद्वार को प्रशस्तिपत्र तथा शाल देकर सम्मानित किया गया।

प्रिती भोग हेतु सहयोगकर्ता-श्री ब्रह्मपालजी वैष्णव हरिद्वार (उत्तराखंड), श्री जयपुर समाज (श्री सत्यनारायणज शर्मा, श्री रामकिशनजी वैष्णव) जयपुर, श्री रामानन्दीय वैष्णव समाज (आणंद) (महंत श्री विनोदभाई), श्री मदनलालजी, मोतीलालजी भंवरदासजी वैष्णव जोधपुर (राज.), श्री भंवरलालजी वैष्णव (शेखाला) जोधपुर को प्रशस्तिपत्र तथा शाल देकर सम्मानित किया गया।

प्रसादम् हेतु सहयोग कर्ता-श्री सुन्दरदासजी अद्यावत लोरडी (जोधपुर), श्री जगमोहनजी शर्मा अलवर, श्री सेडुरामजी शर्मा अलवर, श्री हसमुखभाई देवमुरारी मीठापुर (द्वारका) गुजरात, श्री पन्नालालजी वैष्णव मंगरापुंजला (जोधपुर), श्री गणपतलालजी स्वामी (कुचामनसिटी वाले) जोधपुर, श्री हनुमानदासजी वैष्णव चांदपाले (जोधपुर), श्री गौतमदासजी वैष्णव बालेसर (जोधपुर), श्रीमती मीनादेवी ओमप्रकाशजी वैष्णव जोधपुर, श्री अमरदासजी वैष्णव एयरफोर्स (जोधपुर), श्री रामेश्वरप्रसादजी वैष्णव जोलीयाली (जोधपुर), श्री हेमदासजी वैष्णव नीम्बला (जोधपुर), डॉ. गोपालरामजी स्वामी खीरोड (जयपुर), श्री ओमदासजी कृपादासजी निम्बावत इंवर (जोधपुर), श्री शिवदासजी वैष्णव सांगरीया (जोधपुर), श्री प्रभुलालजी शर्मा अलवर, श्री नवलकिशोरजी वैष्णव अलवर को प्रशस्तिपत्र तथा शाल देकर सम्मानित किया गया।

दिनांक २८ दिसम्बर २०१३ के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि शिरोमणी श्री रामनरेशाचार्यजी महाराज ने 'अखिल भारतीय वैष्णव धर्मशाला हरिद्वार' का उद्घाटन किया। प्रत्येक कमरों में पंडितो द्वारा पूजा के साथ कमरा में सहयोगकर्ताओं द्वारा फीता काट कर कमरों का उद्घाटन किया गया।

शाम को राष्ट्रीय महिला सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती कमला लखनदासजी वैष्णव रायपुर ने सभी वैष्णव राष्ट्रीय पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया। महासचिव श्रीमती यशोदा वैष्णव मुंबई, श्रीमती कमला रामचन्द्रजी वैष्णव मुंबई, श्रीमती पद्मा जयंतिभाई वैष्णव मुंबई, श्रीमती भानुमती गोविन्दजी वैष्णव मुंबई, सु श्री दिव्याबेन सुरेन्द्रनगर, कु. प्रफुल्लाबेन धारी अमरेली, श्रीमती विजयलक्ष्मी शर्मा मथुरा, श्रीमती संतोष भगवानदासजी वैष्णव उदयपुर, श्रीमती पुष्पा भानुशंकरजी वैष्णव मुंबई, श्रीमती पूर्णिमा इन्द्रजीतजी वैष्णव मुंबई, श्रीमती मंजुलता शिवकुमारजी वैष्णव कोरबा, श्रीमती इन्द्रा महावीरजी वैष्णव, सु श्री हेमा निरंजनी रतलाम, श्रीमती चन्द्रिका वैष्णव विलासपुर, श्रीमती तारा देवकिशनजी वैष्णव मुंबई, पाली के महिला अध्यक्षा एवं उनकी टीम, फरीदाबास से श्रीमती पुष्पा हजारीलालजी वैष्णव, श्रीमती एन.डी. निम्बावत सहित श्रीमती वैष्णव कैलाशजी मुंबई ने कार्यक्रम मे मंच पर आसीन होकर सम्मेलन की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का सफल संचालन महिला उपाध्यक्षा सु श्री दिव्याबेन ने किया। सभी महिलाओं ने अपने अपने उद्बोधन में महिलाओं की महत्ता पर जोर दिया। कार्यक्रम की गरिमा पर श्री रामचन्द्रजी वैष्णव राष्ट्रीय अध्यक्षा ट्रस्ट, श्री जयंतिभाई वैष्णव राष्ट्रीय अध्यक्षा परिषद तथा राष्ट्रीय महासचिव परिषद श्री लखनदासजी वैष्णव, राष्ट्रीय महासचिव ट्रस्ट श्री एन.डी. निम्बावत ने कार्यक्रम की सराहना की। महिला संगठन को अधिक मजबूत बनाने की अपील राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती कमला लखनदासजी वैष्णव ने अपनी राष्ट्रीय टीम से की। मंच पर उपस्थित सभी महिला पदाधिकारियों ने महिला राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती कमला लखनदासजी वैष्णव को पुष्पाहार पहना कर फूल से लाद दिया। राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती कमला वैष्णव ने अपने उद्बोधन में महिला संगठन की उपयोगिता पर अपनी बात रखी तथा प्रत्येक जिलों, तहसीलों में भी महिला संगठन स्थापित करने की सभी महिलाओं से अपील की।

दिनांक २८ दिसम्बर रात्रि में पुनः बन्दीसागर वैष्णव एवं पार्टी द्वारा गीत तथा मनोरंजक एवं देशभक्ति पर प्रस्तुती दी गयी, जिस पर महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे सभी नाचते रहे और कार्यक्रम में रोचकता बनाये रखी। रात्रि १२ बजे तक कार्यक्रम चलता रहा। पूरे समय जयंतिभाई, रामचन्द्रजी, लखनदासजी, एन.डी. निम्बावत तथा इन्द्रजीतजी, भगवानदासजी, प्रवीणजी बाली (राष्ट्रीय प्रवक्ता) भागीदारी लेते रहे।

दिनांक २९ दिसम्बर २०१३ के प्रथम सत्र में राष्ट्रीय महासचिव लखनदासजी वैष्णव ने देश के सभी क्षेत्रों में समाज के लिये कार्य करने वाले पदाधिकारियों, जिला, तहसील, प्रान्तीय, राष्ट्रीय पदाधिकारियों को राष्ट्रीय सम्मान प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। जिनमें मुख्यतः प्रवीण वैष्णव राष्ट्रीय प्रवक्ता बाली, वैष्णव गौरव के लिए सर्वोत्तम सहयोगकर्ता सदस्यता अभियान में श्री गोपालदासजी वैष्णव कादेड़ा, वैरागी मृत्युञ्जय इन्दौर, रामचन्द्र वैरागी सिरपोई, रामनारायण

वैरागी पिपल्याकुल्मी राजगढ़, श्यामजी वैरागी लोटखोड़ी भानपुरा को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामकिशन शर्मा जयपुर, भगवानदास वैष्णव उदयपुर, जेठमल निम्बावत हैदराबाद, गजेन्द्र शर्मा मथुरा, उपाध्यक्ष गण परिषद-सर्व श्री इन्द्रजीत वैष्णव मुंबई, श्यामसुन्दर अग्रावत सांवतसर, आनन्दीलाल कीलावत जैतारण पाली, टीकमचन्द शर्मा अलवर, शिवकुमार वैष्णव कोरबा, प्रदीप वैष्णव सुरत, सत्यनारायण रामावत पुष्कर, प्रद्युम्नजी वैष्णव कोटा, विनोदभाई महन्त आणंद, ब्रह्मपाल शर्मा हरिद्वार, रामनिवास वैष्णव इंजी. अजमेर, राष्ट्रीय महिला पदाधिकारियों में श्रीमती कमला लखनदास वैष्णव राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा रायपुर, श्रीमती यशोदा वैष्णव महासचिव मुंबई, श्रीमती कमला रामचन्द्रजी वैष्णव मुंबई, श्रीमती पद्मा जयंतिभाई वैष्णव मुंबई, श्रीमती भानुमती गोविन्दजी वैष्णव मुंबई, सु श्री दिव्याबेन सुरेन्द्रनगर, श्रीमती लता वैष्णव बिलासपुर, श्रीमती संतोष भगवानदासजी वैष्णव उदयपुर, श्रीमती एन.डी. निम्बावत जोधपुर, श्रीमती विजयलक्ष्मी गजेन्द्रजी शर्मा मथुरा, श्रीमती कमलादेवी रामनिवासजी अजमेर, प्रफुल्लाबेन धारी, श्रीमती पुष्पा भानुशंकरजी वैष्णव मुंबई, श्रीमती पूर्णिमादेवी इन्द्रजीतजी वैष्णव मुंबई, श्रीमती लीलादेवी गोपालदासजी वैष्णव कादेड़ा, श्रीमती कोमलदेवी श्यामसुन्दरजी सांवतसर, श्रीमती पुष्पालता सत्यनारायण पुष्कर, श्रीमती शकुंतला रामकिशनजी शर्मा जयपुर, श्रीमती मंजुला शिवकुमारजी कोरबा, श्रीमती इन्द्रा महावीरजी शर्मा कोटा, श्रीमती शीतल भण्डारी बांसवाड़ा, श्रीमती राजकुमारी वैष्णव बाड़मेर, सु श्री हेमा निरंजनी रतलाम, श्रीमती चन्द्रिका वैष्णव बिलासपुर, श्रीमती तारा देवकिशनजी वैष्णव मुंबई, श्रीमती शीला वैरागी जीरापुर, श्रीमती भानकंवर जयकिशनजी देवपुरी अजमेर, श्रीमती प्रेमीदेवी जेटूदासजी अजमेर, श्रीमती गीतादेवी बाबुलाल सांवतसर, श्रीमती विद्यादेवी प्रकाशजी निमावत थांवला, कु. पूनम वैष्णव दुर्ग पुष्पा फरीदाबाद सहित देश के विभिन्न जिलों के महिलाओं को प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया गया।

मुंबई के कार्यकर्ताओं का सम्मान-सर्व श्री रमेश वी. वैष्णव, भानुशंकर वैष्णव, देवकिशन वैष्णव, डॉ. शंकर वैष्णव, जगदीश वैष्णव, कानदास वैष्णव, सुरेश वी. वैष्णव, कैलाशनारायण वैष्णव, पुरुषोत्तम वैष्णव, हरिश वैष्णव, अनिल एम. वैष्णव, जीतेन्द्र वैष्णव, नन्दकिशोर वैष्णव, गौरीशंकर वैष्णव, जयन्तिलाल डी. वैष्णव, दिनेश वैष्णव, सोहन सी. वैष्णव, कपुरदास, नारायणदास, केसुदास, कांतिलाल, कमलेश, नरसिंग वैष्णव सभी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

#### राजस्थान प्रदेश के लोगों का राष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मान

अजमेर जिला-श्यामसुन्दर अग्रावत, कमल रामावत पुष्कर, यतीन पिपावत, प्रेमदास वैष्णव व्यावर, सत्यनारायणजी पुष्कर, रामनिवासजी अजमेर, जेटूदासजी अजमेर, विशम्भर अग्रावत, रघुनाथदास देवपुरारी चूरली।  
नागौर जिला-भंवरलाल वैष्णव, रामचन्द्रजी मेड़ता रोड, पवनकुमार रामावत, जगदीशचन्द्र वैष्णव कुचामनसिटी।  
पाली जिला-उत्तम वैष्णव, नरपत वैष्णव सुमेरपुर, प्रवीण वैष्णव बाली, श्रीमती लीलादेवी पाली, आनन्दीलाल कीलावत जैतारण, किंकरजी पाली, अशोक वैष्णव युवा विरोड।

सवाईमाधोपुर जिला-बंटीसागर वैष्णव खंडार, बनवारीलाल अध्यापक, मगनलाल शास्त्री, रामदयाल, मगनजी, हुकुमजी ठेकेदार, मुरारीलाल सरपंच, मनोज वैष्णव, रामकिशन वैष्णव, रामावतार, परमानन्द वैष्णव।

उदयपुर जिला-पूरणदास वैष्णव अमलोदा, हरि वैष्णव सलूम्वर, भगवानदासजी उदयपुर, हरिश वैष्णव सेलूम्वर, लक्ष्मणदास सेलूम्वर, मनोज उदयपुर, प्रेमदास, मोतीदास, जगन्नाथदास, विनय वैष्णव, रामदास वैष्णव उदयपुर।

बांसवाड़ा जिला-विजयकृष्ण वैष्णव, नरेन्द्र वैष्णव, श्रीमती शीतला भण्डारी।

झालावाड़ जिला-रामचन्द्र वैरागी सिरपोई, रामचन्द्र वैष्णव बकानी, दुर्गाप्रसाद पीड़ावा, रघुनन्दन वैष्णव पंचपहाड़, मोहनदास वैष्णव झालावाड़, सीताराम वैष्णव इकलेश, बट्टीलाल वैरागी, मदनदास पीड़ावा, बापूदास पीड़ावा, राधेश्यामजी पीड़ावा।

भरतपुर जिला-जगदीशजी, सुरेश शर्मा, रामस्वरूप अध्यापक, डॉ. सुरेशचन्द्र, ओमप्रकाशजी।

चित्तौड़गढ़-राधेश्याम वैष्णव, जगदीश वैष्णव, घनश्याम वैष्णव वेगू।

जयपुर जिला-रामकिशन शर्मा, राजेन्द्रकुमार शर्मा, सत्यनारायण वैष्णव, उमाशंकर स्वामी, रूद्रमल स्वामी, अशोक वैष्णव, गौरीशंकर स्वामी।

टोंक जिला-केदारजी वैष्णव, ओमप्रकाश वैष्णव, सत्यनारायण वैष्णव, राजाराम माधवाचार्य ।

दोसा जिला-बाबूलाल स्वामी, मस्तराम महन्त, महन्त जगदीश वैष्णव, ओमप्रकाश वैष्णव, हजारीलाल वैष्णव, राधेश्याम वैष्णव, घनश्याम वैष्णव, रामेश्वर वैष्णव, रमेश वैष्णव, जगदीश वैष्णव ।

प्रतापगढ़-अशोककुमार वैष्णव ।

कोटा जिला-विरद्वीलाल वैष्णव, किशन वैष्णव, प्रद्युम्न वैष्णव, देवकीनन्दन वैष्णव, कैलाश वैष्णव, विश्वविभूति वैष्णव, रमेशकुमार वैष्णव, जगदीश वैष्णव, नन्दकिशोर वैष्णव, राजेन्द्र वैष्णव, सुरेश वैष्णव, महावीर शर्मा ।

बून्दी जिला-घनश्याम वैष्णव, जगदीश वैष्णव, रमेशचन्द्र, मोहनलाल वैष्णव, बट्टीलाल वैष्णव ।

अलवर जिला-टीकमचन्द शर्मा, जगमोहन शर्मा, सेडूराम शर्मा, शंभुदयाल शर्मा, दयाराम शर्मा, कन्हैयालाल, किशनलाल शर्मा, नवलकिशोर शर्मा, प्रभुलालजी शर्मा ।

धीलपुर जिला-धर्मेन्द्र शर्मा, ओमबाबू शर्मा, शर्माजी जिला अध्यक्ष ।

रामगंजमण्डी-श्यामलाल वैष्णव पीपाखेड़ी, कन्हैयालाल वैष्णव, प्रभुलाल वैरागी, रविकुमार वैष्णव, दिनेश वैष्णव, हरिश अग्रवाल, रमेश वैरागी, दीलतराम वैरागी ।

करौली जिला-धर्मेन्द्रजी, मुकेशजी, रामकुमारजी, कालूरामजी अध्यापक, जगदीश वैष्णव, डॉ. प्रमोदजी वैद्य ।

श्रीगंगानगर जिला-धैतराम स्वामीजी, रमेशकुमार स्वामीजी ।

बिकानेर जिला-नधमलजी श्रीकोलायत, गोविन्दजी वैष्णव ।

जोधपुर-डॉ. धनदास वैष्णव, श्यामप्रसाद शर्मा, नरेन्द्रकुमार अग्रवाल, रामेश्वर वैष्णव, अमरदास वैष्णव, पूनमदास वैष्णव, विजय रामावत, राजेन्द्र रामावत ।

डुंगरपुर जिला-सुरेश वैष्णव, रामनारायण वैष्णव गोथड़ा, मुरलीधर वैष्णव रामगढ़ ।

भीलवाड़ा जिला-हरीश वैष्णव, कन्हैयालाल वैष्णव पूर्व प्रधान ।

इसी तरह राजस्थान प्रदेश के प्रमुख लोगों को उनके समाज सेवा में किये कार्यों पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया जिनका नाम इस सूची में संलग्न नहीं हो पाया है ।

मध्यप्रदेश के लोगों का राष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मान

मन्डसौर जिला-श्यामजी वैरागी लोटखेड़ी, श्यामदास वैष्णव शामगढ़, सुरेश वैरागी भानपुरा, भगवानदास वैरागी भानपुरा, महावीर वैष्णव पिपल्यामण्डी, अशोक वैरागी मन्डसौर, गोपालदास वैरागी भानपुरा, मोहनदास वैष्णव लादूना, डॉ. गोविन्द वैरागी, दिनेश वैरागी शामगढ़ ।

रतलाम जिला-सरजूदास वैरागी, संतोष वैरागी, गोर्वधन वैरागी, मुकेश वैरागी ।

राजगढ़ व्यावरा जिला-रामनारायण वैरागी पिपल्याकुल्मी, श्रीमती शीला वैरागी जीरापुर, डॉ. वैष्णव ।

इन्दौर जिला-मृत्युञ्जय वैरागी, रमेश वैरागी, बंशीलाल शर्मा, दिलीप वैरागी, बी.के. त्यागी, मोतीदास वैरागी ।

मुरैना जिला-डॉ. गोविन्द शर्मा अध्यक्ष चम्बल संभाग, पूरणदास वैरागी, डॉ. मातादीन वैरागी, श्री रामजी शर्मा ।

ग्वालियर जिला-दामोदरप्रसाद शर्मा, राजेन्द्रप्रसाद ।

श्यामपुर जिला-धर्मेन्द्र शर्मा, डॉ. कैलाश वैष्णव, नरोत्तम शर्मा ।

आष्टा-बालकृष्ण वैरागी ।

मण्डला-महेश वैष्णव, बुरहानपुर बी.एस. वैष्णव, उज्जैन विजयेन्द्र वैरागी ।

सतना-गणेशदास वैरागी, जबलपुर वृजकिशोर वैष्णव ।

छत्तीसगढ़ के लोगों का राष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मान

रायपुर जिला-हिमाचलदास वैष्णव, कमलनारायण वैष्णव, सुनील वैष्णव, शत्रुहनदास वैष्णव, भूषणदास वैष्णव, गोपालदास वैष्णव, मोहनदास वैष्णव, केशवदास वैष्णव, रामकिसुन वैष्णव ।

बिलासपुर जिला-पुरुषोत्तम वैष्णव, श्रीमती लता, श्रीमती चन्द्रिका, यू.एस. वैष्णव ।

जांजगीर जिला-बालेश्वर वैष्णव नन्दौलीकला, कन्हैयालाल वैष्णव सक्ती, भगवानदास वाराहदार, डॉ.चमरूदास, मोतीदास वैष्णव, चन्द्रकेशर वैष्णव, माखनदास कुरदा, मनमोहनदास वैष्णव पासीद, मनहरदास वैष्णव कलमी, खिलेश्वर वैष्णव-उकनी ।

महासमुन्द जिला-शत्रुहनदास वैष्णव, चितादास वैष्णव, लालबिहारी वैष्णव ।

रायगढ़ जिला-विनोददास वैष्णव, दुखीश्याम वैष्णव तमनार ।

कोरबा-शिवकुमार वैष्णव, अजयदास, कामेश्वर वैष्णव, वी.डी. वैष्णव, युवराज वैष्णव ।

दुर्ग जिला-बाबा राधाकृष्णदास, अर्जुनदास वैष्णव, अयोध्यादास वैष्णव, श्रीमती शिवकुमारी वैष्णव, राजेश्वर वैष्णव, माखनदास वैष्णव अंजोरा, मंगलदास कसही, चेलादास फेकारी, घनश्यामदास सकरीद, देवेन्द्र गौड़ला, कृष्णकुमार दुर्ग, ऋषिदास बानवरद, भरतदास वैष्णव कोहका, निरंजन वैष्णव भिलाई-३ ।

उड़ीसा-डॉ. ईश्वरदास वैष्णव लुकुपाली ।

कर्कधा-बी.डी. वैष्णव कर्कधा, डॉ. वैष्णव, शंकरदास वैष्णव ।

राजनांदगांव जिला-शशीन्द्रकुमारदास, कृष्णकुमार वैष्णव, रघुनाथदास वैष्णव, भरतदास वैष्णव राजनांदगांव, कन्हैयादास वैष्णव अतरिया, चन्द्रशेखर वैष्णव गमरा ।

धमतरी-देवदास वैष्णव, सरगुजा-नर्बदानारायण वैष्णव ।

उत्तर प्रदेश के लोगों का राष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मान

मथुरा जिला-गजेन्द्रजी शर्मा, हरिश शर्मा, महेशचन्द्र शर्मा, गंगाप्रसाद शर्मा मथुरा, मुकेशकुमार शर्मा, शशीपाल शर्मा, गंगाराम शर्मा, राधेश्याम शर्मा, डालचन्द शर्मा, कन्हैयालाल शर्मा, रामबाबू शर्मा, नेमीनरण शर्मा, शिवचरण शास्त्री ।

आगरा जिला-पी.पी. शर्मा, हरचरण शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, विनोद शर्मा, लक्ष्मीनारायण शर्मा, मांगेलाल शर्मा ।

अलीगढ़-राजवीर शर्मा, बागपत-सत्यप्रकाश शर्मा, गाजियाबाद-भजनलाल वैष्णव, गौतमबुद्ध नगर कैलाश वैष्णव, पुखराज वैष्णव ।

हरियाणा प्रदेश के लोगों का राष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मान

आर.डी. वैष्णव करनाल, के.के. बाबा लुधियाना पंजाब, छोटूराम स्वामी झज्जर, हजारीलाल, भूपाल शर्मा, जोगेन्द्र शर्मा-फरीदाबाद ।

गुजरात प्रदेश के लोगों का राष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मान

प्रो. मदनमोहन वैष्णव अहमदाबाद, श्रवणकुमार वैष्णव सूरत, गुणवन्तीबहन अहमदाबाद, चम्पालाल कच्छ, सु श्री दिव्याबेन सुरेन्द्रनगर, प्रफुल्लाबेन धारी, राजेन्द्र कुबावत कच्छ, तुलसीदास गोडलिया जुनागढ़, डॉ. कन्हैयालाल मांडवी, भावेश एन. साधु भुज, ओमप्रकाश वैष्णव अहमदाबाद, चम्पालाल, कन्हैयालाल, ओमप्रकाशजी गांधी धाम ।

दक्षिण भारत के लोगों का राष्ट्रीय प्रशस्ति पत्र से सम्मान

महेन्द्रकुमार जसराजजी वैष्णव टुमकुर, जगदीश वैष्णव, विकास वैष्णव, घीसुदास वैष्णव, कमलकुमार वैष्णव, रतनदास वैष्णव, हुकुमदास वैष्णव, ओमप्रकाश वैष्णव बेंगलोर, एन. भंवरदास, मेवादास वैष्णव, जगदीशचन्द्र चेन्नई, विष्णुदास ठाकुरदास अशावत मदुराई सहित देश के सभी उन कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, राजनीतिक क्षेत्र में विशेष प्राप्त लोगों, सामूहिक विवाह आयोजन समिति के लोगों, धर्मशाला, छात्रावास निर्माण समिति के पदाधिकारियों को हरिद्वार में हुए द्वितीय राष्ट्रीय महाअधिवेशन में सम्मानित किया गया । ○



भवदीय  
लखनदास वैष्णव  
राष्ट्रीय महासचिव परिषद